इग्नाइट • इनोवेट • इंक्यूबैट

बाइरैक i3

बाइरैक
इग्नाइट इनोवेट इंक्यूबेट
birac

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद
(भारत सरकार का उपक्रम)

अप्रैल–जून 2023
सं.2 अंक 10

बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शिरशेन्दु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
परामर्शदाता (संचार)
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
परामर्शदाता (संचार)
राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

डिज़ाइन और उत्पादन

विविड इण्डिया एडवरटाईज़िंग एण्ड मार्केटिंग
401–410, दीपशिखा बिल्डिंग, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110008

अनुक्रमणिका

नेतृत्वकर्ता का संदेश 02

मुख्य संपादक के विचार 03

बाइरैक की मुखाकृति 04
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह

बाइरैक की रिपोर्ट 06
विश्व बौद्धिक संपदा दिवस
नये प्रबंध निदेशक की नियुक्ति
बायो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023

मानव संसाधन एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ 10
स्वच्छता पखवाड़ा 2023
राजभाषा अधिनियम विषय पर कार्यशाला
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
सूचना का अधिकार अधिनियम विषय पर प्रशिक्षण

साझेदारियाँ 15
भारत के लिए बड़ी चुनौनियाँ

राष्ट्रीय कार्यक्रम 17
राष्ट्रीय बॉयोफार्मा कार्यक्रम

नेतृत्वकर्ता का संदेश

डॉ. राजेश एस गोखले
सचिव, डीबीटी एवं
अध्यक्ष, बाइरैक

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह 2023 के उद्घाटन के अवसर पर कहा था कि **"पिछले 9 वर्षों के दौरान हुए मजबूत जमीनी विकास ने भारत के युवा मस्तिष्क को नवाचार करने की दिशा में प्रेरित किया है। आज बच्चों और युवाओं का जुनून, ऊर्जा एवं क्षमताएं भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। आज का भारत हर उस दिशा में आगे बढ़ रहा है जो तकनीकी नेत्रत्व (टेक लीडर) करने के लिए आवश्यक है"** ।

आज मेरे मन मस्तिष्क में हमारे माननीय प्रधान मंत्री के वे शब्द गूंज रहें हैं जब उन्होंने कहा था कि हमें महत्वाकांक्षी उद्यमियों की क्षमता का सदुपयोग करने की आवश्यकता है क्योंकि वे लागत प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ समाधान विकसित करके समाज की सबसे गंभीर चुनौतियों का समाधान करने के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त हैं।

प्रौद्योगिकी ने न केवल व्यक्तिगत रूप से हमारे जीवन स्तर में सुधार किया है बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। आज का युग सही मायने में **"विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग"** है क्योंकि इसने मानव जीवन के हर पहलू पर अपना प्रभाव छोड़ा है।

भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंक 2014 में 81वें से बढ़कर 2022 में 40वें स्थान पर पहुंच गई है। भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र को प्राथमिकता दिए जाने और बढ़ते सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र के कारण पिछले 9 वर्षों में देश में बायोटेक स्टार्टअप की संख्या 50 से बढ़कर 5,300 से अधिक हो गई है। वर्ष 2025 तक इस आंकड़ा की 10,000 के पार जाने की उम्मीद है।

बाइरैक अपनी स्थापना के समय से ही छात्रों का समर्थन करता आ रहा है। बीआईआरएसी की योजनाओं में से एक, स्टूडेंट्स इनोवेशन फॉर ट्रांसलेशन एंड एडवांसमेंट ऑफ रिसर्च एक्सप्लोरेशन (SITARE) योजना का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों की अभिनव परियोजनाओं का समर्थन करना है। इस योजना का उद्देश्य युवा छात्रों को उन जरूरतों को पूरा करने वाले अभिनव उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए को अपनाने के लिए ट्रांसलेशन को रिसर्च बढ़ावा देना एवं और प्रोत्साहित करना है, जो जरूरते अभी पूरी नहीं हो पा रही हैं।

हम प्रतिभाओं को पोषित करने और स्टार्टअप्स को शुरू करने, सफल होने और फलने–फूलने के अवसर प्रदान करते हुए काफी आगे आ चुके हैं।

वर्ष में 2047 भारत अपनी आजादी के 100 साल मनाएगा और तब की अर्थव्यवस्था के ध्वजवाहक **"प्रौद्योगिकी एवं नवाचार"** ही होंगे।

मुख्य संपादक के विचार

डॉ. अलका शर्मा
वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी एवं
प्रबंध निदेशक, बाइरैक

बाइरैक स्थापना के बाद से अपनी विभिन्न वित्तपोषण (फंडिंग) योजनाओं के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में मुख्य रूप से स्टार्टअप और एसएमई द्वारा उत्पादों/प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय उद्यमों के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। इसका लाभ विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी उत्पादों के निर्माण में उठाया जा सकता है। बाइरैक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को उत्प्रेरित करने में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा के लिए लगातार तौर–तरीकों की खोज करता है ।

भारत एक प्रबुद्ध समाज के रूप में विकसित हो रहा है यह तथ्य भी समान बल से प्रभाव डाल रहा रहा है। देश की प्रौद्योगिकीय प्रगति का उत्सव मनाने के लिए प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम ''स्कूल से स्टार्टअप'' थी और इस महत्वपूर्ण अवसर का केंद्र बिन्दु अटल इनोवेशन मिशन कार्यक्रम है, और इसने नवाचार जीवनचक्र के विभिन्न क्षेत्रों के नवाचारों को प्रदर्शित किया। आज जब भारत ने अमृत काल में प्रवेश किया है, हमारा फोकस मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर है जो नवप्रवर्तकों एवं उद्यमियों की अगली पीढ़ी को संबल एवं समर्थन प्रदान करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत में बायोटेक स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 5300 होने से भारत की जैव–अर्थव्यवस्था 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 80 बिलियन डॉलर हो गई है है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने 5,000 से अधिक स्टार्टअप और 2,500 कंपनियों का समर्थन किया है, जिसके परिणामस्वरूप 1,200 आईपी फाइलिंग हुए और 800 बायोटेक उत्पाद बाजार में पहुँचे। मिशन कोविड सुरक्षा जैसी पहल और जाइडस कैडिला (ZyCoV & D) जैसे टीकों के विकास कर भारत अब वैक्सीन विकास के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

डीबीटी–बाइरैक ने देश भर में 75 विशिष्ट जैव ऊष्मायन केंद्रों (इनक्यूबेशन सेंटर्स) का मजबूत नेटवर्क स्थापित किया है। भारतीय बायोटेक सेक्टर में बायोलॉजिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बननेय सर्वसुलभ नए किफायती टीके, बायोसिमिलर और उन्नत प्रतिरक्षा–चिकित्सा आविष्कार करने की काफी संभावनाएं हैं। बायोटेक इनोवेशन इकोसिस्टम से समाज की अपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक किफायती, सुलभ और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधानों में योगदान देने की उम्मीद है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) स्टार्टअप एवं नवाचारों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप एवं नवाचार समाज के विशिष्ट वर्गों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए समाधान और सुविधाएं उपलब्ध कर रहें हैं। हमें विश्वास है कि बाइरैक में हम वैश्विक प्रगति में योगदान देते हुए और देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सक्रिय करते हुए प्रौद्योगिकी में प्रगति करते रहेंगे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह
11-14 मई, 2023

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह का आयोजन 11 से 14 मई, 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हुआ। इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता मिली। यह कार्यक्रम प्रौद्योगिकी विकास ने आयोजित किया और इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से हुआ। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के 12 मंत्रालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों एवं प्रदर्शकों के वैज्ञानिक नवाचारों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

"स्कूल से स्टार्टअप तक" विषय के साथ युवा मस्तिष्क को नवप्रवर्तन के लिए जागृत करने वाले इस कार्यक्रम ने भारत भर के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को ई–युवा और स्पर्श केंद्रों के साथ संवाद करने के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया। ये केंद्र बाइरैक की योजना का हिस्सा हैं और बायोटेक क्षेत्र में सामाजिक नवप्रवर्तकों के समुदाय के पोषण के लिए समर्पित हैं। कार्यक्रम के दौरान इन छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अभिनव तकनीकी विचारों को व्यक्त किया। इसके अलावा, इस कार्यक्रम ने आगंतुकों को नवप्रवर्तक छात्रों से संवाद करने, नवप्रवर्तन क्षेत्रों को देखने, उद्यमियों के साथ जुड़ने और देश भर में नवप्रवर्तकों एवं उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बाइरैक के कार्यक्रमों एवं पहलों को जानने एक विशेष अवसर प्रदान किया।

प्रदर्शनी में स्कूली छात्रों, विभिन्न प्रकार के आगंतुकों, प्रदर्शकों, छात्र प्रदर्शकों और विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप की सक्रिय भागीदारी हुई। इन प्रतिभागियों ने अपने अभूतपूर्व नवाचारों एवं उत्पादों का प्रदर्शन किया। माननीय प्रधान मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित किया और अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं की सफलता के बारे में उत्साहजनक

सचिव डीबीटी एवं अध्यक्ष बाइरैक, डॉ. राजेश एस. गोखले बाइरैक अधिकारियों के साथ

समाचार साझा किया। उन्होंने कहा कि 700 जिलों में 10,000 से अधिक प्रयोगशालाएं नवाचार नर्सरी बन गई हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत प्रयोगशालाएं सरकारी और ग्रामीण स्कूलों में स्थित हैं।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. जितेंद्र ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्रदान किए। प्रदर्शनी में नवाचार क्षेत्र दिखाया गया, जिसमें 12 मंडप थे, प्रत्येक मंडप किसी विशिष्ट मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करता था। एक मंडप में 30–35 व्यक्तिगत स्टार्ट–अप, इनक्यूबेटर और संस्थानों के काउंटर लगे थे। डीबीटी मंडप में बाइरैक–समर्थित नवप्रवर्तकों एवं डीबीटी संस्थानों का प्रतिनिधित्व था। बाइरैक द्वारा समर्थित कुल 14 नवप्रवर्तकों ने चिकित्सा उपकरणों एवं निदान, औद्योगिक बायोटेक और कृषि के क्षेत्र में अपने अत्याधुनिक उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। इन 14 इनोवेटर्स में से, शीर्ष तीन ने उद्घाटन हॉल में स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित अपने अभिनव उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसका माननीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन और अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त, दो स्पर्श केंद्रों ने बाइरैक के एसआईआईपी कार्यक्रम पर विशेष जोर देने सहित अपनी प्रगति एवं कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बाइरैक की विभिन्न योजनाओं और पहलों में रुचि रखने वाले स्टार्ट –अप, छात्रों, शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं ने बाइरैक स्टॉल का भ्रमण किया और विभिन्न क्षमताओं पर सहकार्य की संभावनाओं पर विचार किया।

डॉ. जितेंद्र सिंह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, एमओएस पीएमओ, अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सचिव डीबीटी और बाइरैक समर्थित स्टार्ट–अप के साथ बातचीत करते हुए

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

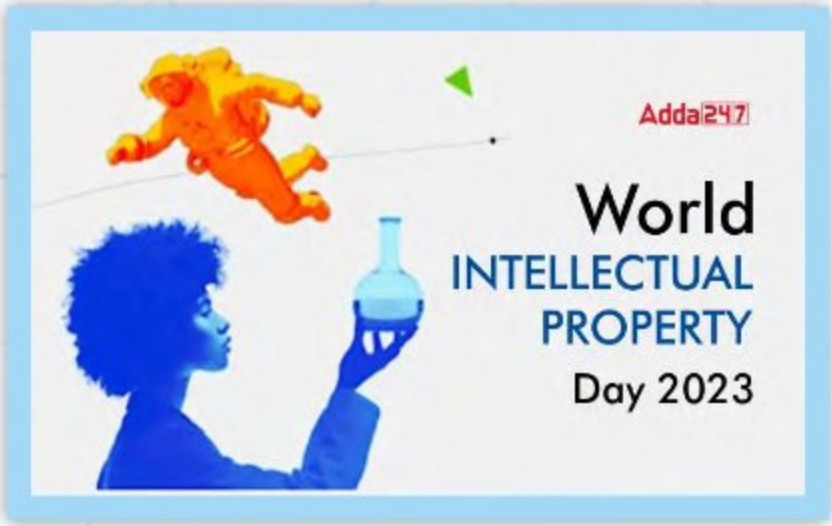

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है। यह कार्यक्रम इस बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया जाता है कि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन हमारे दैनिक जीवन पर कैसे प्रभाव डालते हैं। इसके अलावा रचनात्मकता और रचनाकारों एवं नवप्रवर्तकों द्वारा दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाओं एवं समाज के विकास के लिए दिए गए योगदान का उल्लास मनाने के लिए भी यह कार्यक्रम प्रमुख रूप से आयोजित किया जाता है। इस वर्ष, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस की थीम **"वीमेन एंड आईपीः अक्सेलरेटिंग इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी"** थी। यह थीम दुनिया भर की महिला अन्वेषकों, रचनाकारों एवं उद्यमियों के **"कर सकतीं हैं"** वाले रवैये और उनके अभूतपूर्व काम का पर्व मनाने के लिए रखी गई थी। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस–2023 को मनाने के लिए, बाइरैक ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया । प्रबंध निदेशक (एमडी) बाइरैक ने **"नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में आईपी की भूमिका और नवाचारों एवं कृतियों की रक्षा के लिए रणनीतियों"** विषय पर एक सत्र का संचालन किया।

बाइरैक ने उद्यमियों, वैज्ञानिकों और स्टार्ट–अप कंपनियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए एक इन–हाउस बौद्धिक संपदा एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन समूह की स्थापना की है। समूह ने पिछले कुछ समय में नवप्रवर्तकों का समर्थन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं जैसे बाइरैक–पथ योजना, आईपी और प्रौद्योगिकी प्रबंधन लॉ क्लिनिक कनेक्ट कार्यक्रम तथा उद्यमियों, स्टार्ट–अप को आईपीआर की एवं व्यावसायीकरण की बारीकियों के बारे में जागरूक करने के लिए क्षमता निर्माण एवम संवेदीकरण कार्यक्रम ।

बाइरैक–पथ कार्यक्रम भारत में बौद्धिक संपदा संरक्षण के साथ–साथ पीसीटी और कन्वेंशन फाइलिंग के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट एक मार्गदर्शक (मेंटरिंग) कार्यक्रम है जिसे आईपीआर एवं व्यावसायीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और स्टार्ट–अप का मार्गदर्शन करने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में नवप्रवर्तकों को विशेषज्ञों के साथ अपने प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाता है।

व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने के क्रम में , बाइरैक–एनबीएम ने पूरे भारत में सात (7) क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय (आरटीटीओ) स्थापित किए हैं। इन आरटीटीओ को परिभाषित अधिकार क्षेत्र दिया गया है। इसके अलावा, बाइरैक–पथ कार्यक्रम पैनलबद्ध फर्मों के माध्यम से अपने अनुदान प्राप्तकर्ताओं को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की सुविधा भी प्रदान करता है।

नये प्रबंध निदेशक की नियुक्ति

डॉ. जितेन्द्र कुमार
प्रबंध निदेशक, बाइरैक

हमें डॉ. जितेंद्र कुमार, बाइरैक प्रबंध निदेशक के अपने बाइरैक परिवार में नए सदस्य के रूप में जुड़ने की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

बायोटेक इनोवेशन एवं उद्यमिता विषय के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित विचारक एवं सलाहकार डॉ जितेंद्र कुमार को 9 जून 2023 को बाइरैक प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. जितेन्द्र कुमार ने इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ से जैव प्रौद्योगिकी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इसके पश्चात, वे इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो चले गए, जहां उन्होंने ल्यूकेमिया पर काम किया। उन्होंने अमेरिका के ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के फिशर कॉलेज ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री भी प्राप्त की है।

अमेरिका से लौटने के बाद, उन्होंने आईकेपी नॉलेज पार्क, हैदराबाद में लाइफ साइंस इनक्यूबेटर के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, जहां उन्होंने इनक्यूबेटी कंपनियों को सक्रिय रूप से सलाह देने, प्रौद्योगिकियों के साथ टीम निर्माण के अभिनव मॉडल के माध्यम से उद्यमियों को जोड़ने, व्यावसायीकरण के उद्यमशीलता मॉडल बनाने हेतु सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं तथा विश्वविद्यालयों के साथ काम करना आदि क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया। पोषण, जैव ईंधन/जैव–ऊर्जा तथा फार्मा/स्वास्थ्य देखभाल में नवाचारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर के निदेशक और प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने बैंगलोर में एक जीवंत जीवन विज्ञान नवाचार क्लस्टर निर्माण हेतु भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी तथा एस एंड टी विभाग के साथ मिलकर काम किया है। वह कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, मानव आनुवंशिकी केंद्र, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ रीजनरेटिव मेडिसिन एमआईआरएम तथा बैंगलोर में भारतीय विज्ञान संस्थान में अतिथि संकाय सदस्य भी हैं। वह विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सरकार समितियों के सदस्य हैं तथा जीवन विज्ञान में स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता से संबंधित नीतिगत मामलों से संबन्धित सलाहकार हैं। वर्तमान में, वह जैव प्रौद्योगिकी पर सीआईआई की राष्ट्रीय समिति, एसोसिएशन ऑफ बायोटेक लेड एंटरप्राइजेज एबीएलई , कर्नाटक स्टार्ट–अप नीति के लिए समिति और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के तत्वावधान में भारत सरकार द्वारा समर्थित बैंगलोर इनोवेशन क्लस्टर के सदस्य हैं। वे जैव प्रौद्योगिकी नवाचार एवं उद्यमिता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशंसित विचारक एवं सलाहकार हैं। उन्हें भारत और कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया और नीदरलैंड में विभिन्न सम्मेलनों में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने हजारों युवाओं को सफल जैव प्रौद्योगिकी उद्यम प्रारम्भ एवं निर्माण करने हेतु प्रेरित किया है। उन्हें जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार प्रबंधन में लगभग 20 वर्षों का अनुभव है। उनके पास लगभग 25 पीयर रिव्यूड प्रकाशन हैं एवं उनके परामर्श के अंतर्गत लगभग 45 उत्पादों का शुभारंभ किया गया है। अमेरिका से लौटने के बाद, उन्होंने आईकेपी नॉलेज पार्क, हैदराबाद में लाइफ साइंस इनक्यूबेटर के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, जहां उन्होंने इनक्यूबेटी कंपनियों को सक्रिय रूप से सलाह देने, प्रौद्योगिकियों के साथ टीम निर्माण के अभिनव मॉडल के माध्यम से उद्यमियों को जोड़ने, व्यावसायीकरण के उद्यमशीलता मॉडल बनाने हेतु सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं तथा विश्वविद्यालयों के साथ काम करना आदि क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया। पोषण, जैव ईंधन/जैव–ऊर्जा तथा फार्मा/स्वास्थ्य देखभाल में नवाचारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर के निदेशक और प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने बैंगलोर में एक जीवंत जीवन विज्ञान नवाचार क्लस्टर निर्माण हेतु भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी तथा एस एंड टी विभाग के साथ मिलकर काम किया है। वह कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, मानव आनुवंशिकी केंद्र, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ रीजनरेटिव मेडिसिन एमआईआरएम तथा बैंगलोर में भारतीय विज्ञान संस्थान में अतिथि संकाय सदस्य भी हैं। वह विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सरकार समितियों के सदस्य हैं तथा जीवन विज्ञान में स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता से संबंधित नीतिगत मामलों से संबन्धित सलाहकार हैं। वर्तमान में, वह जैव प्रौद्योगिकी पर सीआईआई की राष्ट्रीय समिति, एसोसिएशन ऑफ बायोटेक लेड एंटरप्राइजेज एबीएलई , कर्नाटक स्टार्ट–अप नीति के लिए समिति और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के तत्वावधान में भारत सरकार द्वारा समर्थित बैंगलोर इनोवेशन क्लस्टर के सदस्य हैं। अनुसंधान ज्ञान और व्यावसायिक कौशल दोनों का एक दुर्लभ संयोजन रखने वाले, डॉ. कुमार ने भारत में उद्यमियों की एक पाइपलाइन बनाने और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हमें पूरा विश्वास है कि डॉ. जितेंद्र कुमार के गहन अनुभव और ज्ञान से बाइरैक के कामकाज में नई ऊर्जा आएगी और उनके मार्गदर्शन में, हम बाइरैक के लिए महान मूल्य, समर्थन, नवाचार और महान भविष्य की कल्पना करना जारी रखेंगे।

बायो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 में बाइरैक

5-8 जून, 2023

बोस्टन कन्वेंशन एवं प्रदर्शन केन्द्र - बोस्टन, एमए

बोस्टन कन्वेंशन एवं प्रदर्शन केंद्र – बोस्टन, एमए बाइरैक ने 5 से 8 जून 2023 तक बोस्टन, एमए में आयोजित बायो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

भारतीय उद्योग जगत की बड़ी उपस्थिति में डीबीटी सचिव एवं बाइरैक के अध्यक्ष डॉ. राजेश एस गोखले ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया। उनके साथ उनके डीबीटी सहयोगी (डॉ. अलका शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी और एमडी, बाइरैक, डॉ. संजय मिश्रा (डीबीटी), वैज्ञानिक एचय डॉ. धनंजय तिवारी, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में एस एंड टी काउंसलर) और बाइरैक से उनकी टीम भी मौजूद थी। टीम में डॉ. पीकेएस सरमा, डॉ. मनीष दीवान, डॉ. अमिता जोशी और डॉ. अपर्णा शर्मा शामिल थे। इसके अलावा 65 से अधिक भारतीय बायोटेक/जीवन विज्ञान कंपनियों को बिजनेस फोरम (वन–ऑन–वन बायो पार्टनरिंग) में भाग लेते या सम्मेलन में भाग लेते देखा गया। इंडिया पवेलियन में उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल था जिसमें केंद्र और राज्य के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रमुख बायोटेक कंपनियों के सीईओ, अकादमिक प्रमुख और स्टार्टअप शामिल थे। उद्घाटन के बाद डॉ. राजेश एस गोखले, सचिव डीबीटी एवं अध्यक्ष बाइरैक ने भारत बायोटेक हैंडबुक 2023 नामक विशेष प्रकाशन जारी किया।

वैश्विक विनिर्माण प्रथाओं, मौजूदा चुनौतियों को समझने और विश्व स्तर पर ''उच्च निष्पादन बायो मैन्युफैक्चरिंग'' को सक्षम करने के लिए नीतिगत आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए एक विचार–मंथन सत्र आयोजित किया गया था। इसमें यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, अमेरिका, पोलैंड, अफ्रीका, आयरलैंड देशों तथा एनआईएच, यूएसएफडीए, एबीएलई और बाइरैक जैसी वैश्विक एवं भारतीय एजेंसियों की भागीदारी थी।

इस बात पर चर्चा की गई कि जैव–विनिर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहकार्य (कॉलबोरेशन्स) महत्वपूर्ण हैं। इससे कच्चे माल की उपलब्धता, टिकाऊ विनिर्माण, नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं की उपलब्धता और लचीलेपन से जुड़े विभिन्न मुद्दों को हल करने में संबल प्राप्त होगा। मौजूदा नियामक ढांचे, आपूर्ति श्रृंखला के संशोधन, लघु पैमाने से वृहद पैमाने पर आने और प्रयोगशाला से उद्योग पैमाने पर आने के महत्व को सामान्य चुनौतियों के रूप में स्वीकार किया गया थी।

इंडिया पवेलियन (बूथ नंबर 3545) का उद्घाटन, डीबीटी सचिव डॉ. राजेश एस गोखले ने भारत बायोटेक हैंडबुक 2023 जारी करते हुए

यह निष्कर्ष निकाला गया कि जैव विनिर्माण मुद्दों से जुड़ी चुनौतियाँ वही हैं जो इस क्षेत्र के निर्माण के लिए हैं। इस पहल से मिली लीड जनता के लिए सुलभ होनी चाहिए। संपूर्ण परिदृश्य का मानचित्रण, सार्वजनिक निजी क्षेत्र की भागीदारी को इस रूप रेखा में शालिम करना, क्षमता निर्माण एवं महत्वपूर्ण रणनीतियों जैसे क्रांतिक जानकारियों की विश्व स्तर पर पहुंच भी सुगम होनी चाहिए।

इस 4 दिवसीय विश्वस्तरीय कार्यक्रम ने बायोलॉजिक्स के प्रोसेस डेवलपमेंट और जीएमपी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग में विभिन्न सीडीएमओ का दौरा करने का अपार अवसर दिया।

बाइरैक स्टॉल ने जो भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बाइरैक की विभिन्न पहलों को समझने में रुचि रखने वाले कई आगंतुकों को आकर्षित किया।

वैश्विक विनिर्माण प्रथाओं को समझने के लिए विचार–मंथन सत्र का आयोजन

स्टार्टअप्स और कंपनियों के साथ चर्चा

स्वच्छता पखवाड़ा 2023

बाइरैक में 1 मई से 15 मई 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया । पखवाड़े में डॉ. राजेश एस गोखले, सचिव–डीबीटी एवं अध्यक्ष–बाइरैक और डॉ. अलका शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार–डीबीटी एवं प्रबंध निदेशक–बाइरैक ने सभी बाइरैक कर्मचारियों के साथ भाग लिया।

डॉ. अलका शर्मा, प्रबंध निदेशक ने हिंदी में और डॉ. सुभ्रा आर. चक्रवर्ती, निदेशक (परिचालन) ने अंग्रेजी में बाइरैक कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। शपथ में अन्य बातों के अलावा एक वर्ष में 100 घंटे 'श्रमदान' के रूप में समर्पित करने का प्रमुख संदेश दिया गया ताकि कार्य क्षेत्र एवं आसपास की सफाई सुनिश्चित हो सके। सभी कर्मचारियों को **'स्वच्छ भारत मिशन'** का संदेश एवं उद्देश्य बताए गए।

कार्यस्थल पर कोविड–19 के प्रसार को रोकने के लिए, बाइरैक में कार्यालय परिसर, विशेष रूप से बार बार छुई जानी वाली सतहों की नियमित सफाई और कीटाणुशोधन (डिसइन्फेक्शन) समय पर किया जा रहा है।

कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल बाइरैक की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए पूरे कार्यालय परिसर का साप्ताहिक आधार पर सैनिटाइजेशन किया जा रहा है।

बाइरैक ने सरकारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप परिपत्र जारी करके और अपने कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से संवाद करके अपने कार्यबल को इस बारे में जागृत किया है।

इसके अलावा,बाइरैक में ई–ऑफिस प्लेटफॉर्म के कार्यान्वयन से कागज रहित कार्यालय की प्रक्रिया शुरू की गई है, जो न केवल प्रिंटआउट और फोटोकॉपी को सीमित करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा बल्कि एक संधारणीय समाज के निर्माण में काफी योगदान देती है।

इसके अतिरिक्त, इन गतिविधियों का कवरेज बाइरैक के ट्विटर हैंडल पर भी अपलोड किया गया।

← Tweet

DBT-BIRAC
@BIRAC_2012

@BIRAC_2012 observed #SwachhtaDiwas today. #BIRAC officials engaged themselves in cleanliness drive.

Managing Director, BIRAC @dralkasharma25 participated in this initiative along with all the employees.

@DBTIndia @swachhbharat

3:10 pm · 13 May 2023 · **595** Views

राजभाषा अधिनियम विषय पर कार्यशाला

केंद्र सरकार की राजभाषा नीति संबंधी जानकारी एवं स्पष्टता को बढ़ाने के लिए प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। बाइरैक में राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के अनुरूप, कर्मचारियों को राजभाषा के महत्व एवं प्रावधानों से परिचित कराने के लिए 26 मई, 2023 को प्रोफेसर पूरन चंद टंडन के माध्यम से **''कार्यालय में टिप्पण/प्रारूपण''** विषय पर राजभाषा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

कार्यशाला ने कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम के संवैधानिक प्रावधानों और दैनिक कार्यालयीन पत्राचार में राजभाषा कार्यान्वयन को समझने में मदद की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रति वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग की प्राचीन पद्धति के बारे में जागरूकता बढ़ाना और योग द्वारा दुनिया में लाई गई शारीरिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का उत्सव मनाने के लिए यह आयोजन होता है। योग एक शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक क्रियाविधि है। योग मन एवं शरीर को स्वास्थ्य लाभ देने और मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य में सुधार के अलावा, योग कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र एवं व्यक्तिगत जीवन में अधिक संतुष्ट एवं प्रेरित बनने में भी मदद करते हैं। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने 21 जून 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का 9वां संस्करण मनाया । इस वर्ष का विषय था **''वसुधैव के लिए योग कुटुंबकम''**। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 की घरेलू टैगलाइन **''हर आंगन योग''** थी, जिसे सबसे निचले तबके के जनसमान्य तक के हर घर में योग पहुंचाने के लिए प्रचारित किया जा रहा था। योग दिवस कार्यक्रम लोधी गार्डन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। बाइरैक और डीबीटी के अधिकारी भोर बेला में एकत्र हुए और सचिव डीबीटी एवं अध्यक्ष बाइरैक और प्रबंध निदेशक बाइरैक के साथ उत्साहपूर्वक बताए जा रहे योग आसनों का अभ्यास किया।

कार्यक्रम में दो सत्र थे। पहले सत्र में, योग प्रशिक्षक ने कर्मचारियों को योगासनों की श्रृंखला का अभ्यास कराया और कर्मचारियों को इस प्राचीन एवं आधुनिक योग अभ्यास के मूल्य व लाभों के बारे में खूब जानकारी दी। दूसरे सत्र में बुद्ध के चार आर्य सत्य एवं अष्टांगिक मार्ग पर व्याख्यान हुआ। इस सत्र से कर्मचारियों को बिना विचलित हुए वर्तमान समय पर ध्यान केंद्रित करने और असंतुलन एवं तनाव के मूल कारण के समाधान करने की उनकी क्षमता में स्वाभाविक रूप से सुधार करने में मदद मिली, जिससे उत्पादकता और प्रेरणा में सुधार होगा।

योग दिवस 2023 की कुछ झलकियाँ नीचे दी गई हैं :

सूचना का अधिकार अधिनियम विषय पर प्रशिक्षण

चूंकि आरटीआई (सूचना का अधिकार) सभी सरकारी कंपनियों एवं संगठनों के लिए अनिवार्य अनुपालन का विषय है, इसलिए बाइरैक ने अपने कार्मिकों के लिए आरटीआई अधिनियम के तहत प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी बढ़ाने और आरटीआई अपील के प्रारूपण (नोटिंग्स) कौशल में सुधार करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया है। सूचना के अधिकार के क्षेत्र में ख्याती प्राप्त श्री महावीर सिंह कसाना को प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रशिक्षण में आरटीआई अधिनियम, 2005 की मुख्य विशेषताएं, आरटीआई अधिनियम के तहत नागरिकों को प्रदत्त अधिकार, विभिन्न अधिकारियों की भूमिकाएं एवं कार्य और आरटीआई अधिनियम के तहत छूट एवं निष्पादन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों से विभिन्न केस कानूनों पर चर्चा की गई ताकि वे आरटीआई आवेदनों को निपटाने में सक्षम बन सकें।

बड़ी चुनौतियाँ
ज्ञानार्जन एवं मूल्यांकन बैठक

Grand Challenges India

ग्रैंड चौलेंजेस लर्निंग एंड इवैल्यूएशन मीटिंग 2023 का आयोजन 20–21 अप्रैल, 2023 को सिएटल, डब्ल्यूए, यूएसए में हुआ। बैठक की मेजबानी बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसमें ग्रैंड चौलेंजेज इंडिया के मिशन निदेशक डॉ. शीर्षेंदु मुखर्जी ने भाग लिया था।

जीसी कनाडा, जीसी अफ्रीका, जीसी दक्षिण अफ्रीका, जीसी ब्राजील, जीसी पेरू, जीसी इथियोपिया, जीसी कोरिया और जीसी यूरोप जैसे ग्लोबल ग्रैंड चौलेंजेज (जीसी) नेटवर्क पार्टनर्स के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। इसके अलावा, यूएसएआईडी, जीआईएफ, द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज और द वर्ल्ड बैंक ग्रुप, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिसिन आदि के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

इस दो दिवसीय बैठक ने जीसी नेटवर्क समुदाय को क्रॉस–कंट्री लर्निंग के लिए अपने दृष्टिकोण एवं मूल्यांकन प्रथाओं को साझा करने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान किया। बैठक में सामूहिक चर्चा में देश के नेतृत्व की प्राथमिकताओं के अनुरूप संभावित जीसी के लिए जलवायु एवं कृषि अनुकूलन / जलवायु एवं स्वास्थ्य और डेटा विश्लेषण एवं मॉडलिंग विषयों की पहचान की गई।

जननी एवं जन्मजात मल्टी-ओमिक्स (MOMI) 2023 कंसोर्टियम कॉन्वेनिंग

जननी एवं जन्मजात मल्टी–ओमिक्स (MOMI) 2023 कंसोर्टियम कॉन्वेनिंग 23 से 26 मई तक सिएटल, वाशिंगटन में आयोजित की गई थी। बैठक की मेजबानी बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने छह अंतरराष्ट्रीय साइटों के सहयोग से की थी और इसमें ग्रैंड चौलेंजेज इंडिया की वरिष्ठ प्रबंधक (कार्यक्रम) अर्शी मेहबूब ने भाग लिया था।

बैठक में AMANHI, GAPPs, ZAPP और कार्यक्रम से जुड़े एनालिटिक्स भागीदारों का प्रतिनिधित्व था। इन भागीदारों में वे सरकारी इकाइयाँ/परिषदें, प्रमुख शैक्षणिक संस्थानय अनुसंधान संगठनय और विकास नवोन्मेष संगठन शामिल थे जो अनुसंधान एवं नवप्रवर्तन के माध्यम से सहकार्य (कोलबोरेशन) कर रहे हैं। प्लेटफॉर्म टीएचएसटीआई में एक मौजूदा प्रेग्नेंसी बायोबैंक – गढ़बिनी कोहोर्ट का निर्माण करता है, जो छह अंतरराष्ट्रीय साइटों में से एक है।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में तीन बड़े गर्भावस्था निगरानी अध्ययनों से उपलब्ध नमूनों और क्लिनिकल फेनोटाइपिक डेटा पर उन्नत शोध पर चर्चा की गई। यह अध्ययन प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों (पीटीबी, स्टिलबर्थ, पीई, एसजीए) के लिए औपचारिक मार्गों एवं भविष्यवक्ता बायोमार्कर की खोज एवं पुष्टि करने के लिए एक बड़े, विविध डेटासेट का प्रतिनिधित्व करते हैं। बैठक प्रमुख माइलस्टोन एवं समयसीमा तैयार करने, प्रमुख परिणामों की सामंजस्यपूर्ण परिभाषाओं को अंतिम रूप देने, पोषक तत्व विश्लेषण, एपिजीनोमिक्स और सामान्य जैव–विश्लेषणों के लिए अध्ययन डिजाइन एवं नमूनाकरण दृष्टिकोण को अंतिम रूप देने और कंसोर्टियम वार अल्पावधि एवं दीर्घावधि व्यापक लक्ष्यों को प्राथमिकता देने तथा स्वस्थ एवं उत्पादक अनुसंधान संस्कृति का निर्माण करने एवं उसे बनाए रखने की प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुई।

जननी एवं जन्मजात मल्टी–ओमिक्स (MOMI) 2023 की कंसोर्टियम कॉन्वेनिंग

विंग्स प्रसार बैठक

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) ने संयुक्त रूप से वीमेन एंड इन्फेंट इंटीग्रेटेड इंटरवेंशंस फॉर ग्रोथ स्टडी (विंग्स) का समर्थन किया, जिसे ग्रैंड चौलेंजेज इंडिया के तत्वावधान में शुरू किया गया था। अध्ययन ने गर्भधारण से पहले और गर्भधारण से लेकर प्रारंभिक बचपन तक, बच्चे की वृद्धि और विकास को सीमित करने वाले प्रमुख कारकों के समाधान तलाशने के लाभों को प्रदर्शित किया। ये निष्कर्ष देशों को बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। डीबीटी, बाइरैक ने आईसीएमआर के साथ मिलकर 1 जून 2023 को एक प्रसार बैठक बुलाई। यह बैठक अध्ययन में प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों एवं सबक को साझा करने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में अध्ययन के निष्कर्षों के साथ–साथ राज्यों में हस्तक्षेप के दायरे को व्यापक बनाने के लिए संभावित रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सभी प्रासंगिक हितधारकों और संबंधित मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

NATIONAL BIOPHARMA MISSION
innovate in India for inclusiveness (i3)

राष्ट्रीय बॉयोफार्मा कार्यक्रम

जी 20 तृतीय स्वास्थ्य कार्य समूह बैठक एक्सपो

डीबीटी–बाइरैक 4 से 6 जून, 2023 तक हैदराबाद के नोवोटेल होटल में आयोजित तीसरे स्वास्थ्य कार्य समूह बैठक एक्सपो में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता की। इस प्रदर्शनी का प्राथमिक उद्देश्य चिकित्सीय समाधानों, टीकों के अनुसंधान एवं विकास और निदान उपकरण के क्षेत्र में भारत की शक्ति का प्रदर्शन करना था। जी20 की अध्यक्षता के वसुदेव कुटुंबकम के दृष्टिकोण के साथ संरेखित इस कार्यक्रम का व्यापक विषय, **"एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य"**, भारत की मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के भीतर अपनी क्षमताओं को प्रस्तुत करने के लिए स्वास्थ्य एवं अनुसंधान से संबंधित विभिन्न मंत्रालयों को एक साथ लाया गया।

इस एक्सपो के हिस्से के रूप में, बाइरैक ने सूचना बूथ स्थापित करके बड़ा योगदान दिया। इस बूथ में बाइरैक की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, समर्थित प्रौद्योगिकियों, नवीन पहलों एवं साझेदारियों को प्रदर्शित किया गया। इसका प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि भारत में स्वास्थ्य देखभाल नवाचार एवं अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए बाइरैक की प्रतिबद्धता और यह बहुमूल्य जानकारी अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचे ।

एक्सपो में बाइरैक का प्रतिनिधित्व अधिकारियों के विशिष्ट समूह ने किया गया, जिसमें परिचालन निदेशक डॉ. सुभ्रा रंजन चक्रवर्ती, जीसीआई में मिशन निदेशक डॉ. शीर्षेंदु मुखर्जी, मुख्य प्रबंधक डॉ. प्राची अग्रवाल, और वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बीबीवी बिंदु शामिल थे।

एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) कॉल लॉन्च

एंटी–माइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने और नवीन निदान एवं उपचार विज्ञान के विकास के लिए भारत में चल रहे प्रयासों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को देखते हुए, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन ने **" डेवलपमेंट ऑफ कैंडिडेट थेराप्यूटिक्स एंड डायग्नोस्टिक्स अगेंस्ट एंटी–माइक्रोबियल रेसिस्टेंट पैथोजन्स"** का आह्वान (कॉल) **24 मार्च 2023** को किया और **10 अप्रैल 2023** को यह समाप्त हुआ। कृपया संलग्न प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) दस्तावेज की प्रति देखें।

कॉल की व्यापक पहुंच के लिए वेबिनार आयोजित किए गए। इन 2 वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। ऑनलाइन वेबिनार के अलावा, एएमआर डोमेन में काम करने वाले स्टार्ट–अप और कंपनियों का केंद्र सी–कैंप बैंगलोर में कॉल पर टॉक दी गई।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 66 प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनमें से 34 प्रस्तावों को अगले चरण में वैज्ञानिक सलाहकार समूह द्वारा मूल्यांकन एवं उनके बाद की शॉर्टलिस्टिंग के लिए के शॉर्टलिस्ट किया गया है।

पूर्व में बाइरैक द्वारा समर्थित परियोजनाओं के लिए बायोथेराप्यूटिक्स एवं संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए फॉलो-ऑन फंडिंग कॉल:

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन ने **"बाइरैक द्वारा पूर्व में समर्थित परियोजनाओं के लिए बायोथेराप्यूटिक्स एवं संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए फॉलो–ऑन फंडिंग"** के लिए **17 अप्रैल 2023** को एक कॉल शुरू की और **17 मई 2023** को इसे समाप्त कर दिया गया। कॉल के तहत कुल 50 प्रस्ताव प्राप्त हुए और मूल्यांकन का पहला दौर 15 एवं 16 जून, 2023 को पूरा हुआ।

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY (DBT), GOVT OF INDIA

BIOTECHNOLOGY INDUSTRY RESEARCH ASSISTANCE COUNCIL

(An Industry - Academia Interface of DBT)

ANNOUNCES CALL UNDER

NATIONAL BIOPHARMA MISSION

Industry-Academia Collaborative Mission For Accelerating Early Development of Bio-pharmaceuticals

(Funded jointly by Department of Biotechnology and World Bank)

for

Follow-on funding for projects (Biotherapeutics and related infrastructure) previously supported by BIRAC

Focus of the call

- Development of Biotherapeutics including Biosiimilars, Novel Biologics, Cell and Gene Therapy, Raw Materials, IT Platforms for Quality management Systems, Bioreactors, Platform Technologies and any other technologies relevant to Biothrapeutics
- Strengthening of Existing facilities

How to Apply

Proposals to be submitted online only. For submitting proposals online, please log on to: www.birac.nic.in/birac_registration_page.php.

For details regarding Request For Proposal document, log on to: https://www.birac.nic.in/webcontent/1681715993_RFP_FOF_NBM.pdf

Call Opens: 17th April 2023

Last date of Submission: 17th May 2023 (5:00 PM)

For queries, please contact:

Chief Manager, PMU-NBM: nbm1.birac@nic.in | Senior Manager, Technical: tech01.birac@nic.in

3700+
स्टार्ट–अप, उद्यमी, कंपनियों ने समर्थन किया, लाभार्थियों

75
बायोइन्क्यूबेटरों का समर्थन किया

4
क्षेत्रीय एवं उद्यमिता विकास केंद्र

बाइरैक द्वारा
₹ 4000 करोड़
की वित्त पोषण सहायता

₹ 1444 करोड़
की उद्योग प्रतिबद्धता

344
शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन किया

प्रेरण नवप्रवर्तन व्यवसाय

₹ 4242 करोड़
का कुल वित्त पोषण

10000
से अधिक लोगों का कौशल विकास और नेटवर्क तक पहुँच

713132
वर्ग फुट का इन्क्यूबेशन स्थल

₹ 363 करोड़+
सभी 3 इक्विटी योजनाओं ऐस, सीड एवं लीप फंड द्वारा सौंपी गई निधियों का कुल फंड

32474
रोजगार उत्पन्न

16
बायोइन्क्यूबेटरों का इक्विटी आधारित सीड फंड के अंतर्गत समर्थन किया

1250
आईपी जेनरेटेड

650
उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियाँ

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत

टेलीफोनः +91–11–24389600 | फैक्सः +91–11–24389611

ई–मेलः birac.bdt@nic.in | वेबसाइटः www.birac.nic.in

हमें ट्विटर : @BIRAC_2012 पर फॉलो करें।